गुस्ताखी माफ

मुंडों से ही क्यों जुड़े, स्टंट और चालान।
कुड़ियां भी इस क्षेत्र में, बना रहीं अब स्थान।
बना रहीं अब स्थान, देखकर फूला सीना।
दिखा रही थी स्टंट, बुलेट पर एक हसीना।
कह साहिल कविराय, इधर भी थोड़ा झांके।
लड़कों से कम नहीं, हमें मत कमतर आंकें।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 10 | ISSUE 365 | SUNDAY 11-01-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER   Visit at : www.uturntime.com

नवनियुक्त लोकल बॉडी मंत्री संजीव अरोड़ा के लिए लुधियाना में ही कई बड़ी चुनौतियां

सिटी सेंटर, ट्रस्ट की जमीन समेत कई अहम मुद्दे

लुधियाना सिटी सेंटर बना खंडर

रानी झांसी रोड पर मौजूद लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की इमारत

लुधियाना/यूटर्न/10 जनवरी। दो दिन पहले ही पंजाब सरकार की और से कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के पोर्टफोलियो में लोकल बॉडी विभाग भी शामिल कर दिया है। जिसके चलते अब लोकल बॉडी विभाग मिलने के बाद मंत्री संजीव अरोड़ा की राह आसान होने वाली नहीं है। पुरानी सरकारों के समय शुरू हुए सरकारी प्रॉपर्टियों और बड़े प्रोजेक्ट्स के विवाद बड़ी चुनौती रहने वाले हैं।

पंजाब में अगर सिर्फ लुधियाना की बात करें तो शहर में ही सिटी सेंटर सबसे बड़ा विवादित मामला है। इसके अलावा रानी झांसी रोड पर स्थित लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की जमीन का विवाद लंबे समय से चला आ रहा है। यह दो मामले लुधियाना के अहम मुद्दे हैं। जिन्हें हल करना बेहद जरुरी है। इसके अलावा नगर निगम, लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट और ग्लाडा में भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल डालना भी अहम समस्या बनी हुई है। हालांकि मंत्री संजीव अरोड़ा की एक बात हमेशा सुर्खियों में रहती है कि वह हर समस्या का हल किसी न किसी वैध तरीके से निकाल लेते हैं। अब देखना होगा कि लोकल बॉडी विभाग की चुनौतियों को वे कैसे हल करते हैं।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा

लंबे समय से चला आ रहा सिटी सेंटर विवाद

बता दें कि लुधियाना सिटी सेंटर (एलसीसी) परियोजना 2005-06 में लुधियाना इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट (एलआईटी) द्वारा शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य पखोवाल रोड पर एक बड़ा शॉपिंग मॉल, टावर और मल्टीप्लेक्स बनाना था। यह टुडे होम्स के साथ ज्वाइंट वैचर था। यह करीब 25 एकड़ में यह सेंटर बनना था। जिसका निर्माण कार्य भी जारी थी। लेकिन फिर कई तरह के विवाद सामने आने पर यह प्रोजेक्ट बीच में ही रुक गया। 2007 में पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने एफआईआर भी दर्ज की थी। हालांकि इस प्रोजेक्ट का हल न तो कांग्रेस सरकार कर सकी और न ही अकाली दल ने अपने कार्यकाल में किया था। अब यह जमीन शहर के बीचों बीच आ चुकी है। जिसके चलते इसका हल होना बेहद जरुरी है।

ट्रस्ट की जमीन भी अहम मुद्दा

वहीं रानी झांसी रोड पर लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की बेशकीमती जमीन पड़ी है। यहां तक कि वहां बिल्डिंग भी खड़ी कर दी गई थी और कहा जा रहा था ट्रस्ट का ऑफिस वहां शिफ्ट होगा। लेकिन कोई हल नहीं हो सका। उक्त जमीन पॉश इलाके में है। जिसकी कई बार वैल्यूएशन भी हो चुकी है। लेकिन फिर भी इसका समाधान नहीं हो सका।

भ्रष्टाचार पर नकेल डालना भी अहम

इसके अलावा शहर में नगर निगम, ग्लाडा और लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट में जमकर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। आए दिन शहर में अवैध बिल्डिंगें बनने और अधिकारियों पर मिलीभगत होने के आरोप लगते हैं। अब देखना होगा कि कैसे मंत्री संजीव अरोड़ा इस पर नकेल डाल पाते हैं।

प्रीत कॉलोनी में प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर में तोड़फोड़

दिनदहाड़े हथियारों से लैस युवकों ने प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर में की तोड़फोड़

डेराबस्सी, यूटर्न, 10 जनवरी। डेराबस्सी नगर परिषद के अधीन धनोनी रोड स्थित डेराजगाधरी की प्रीत कॉलोनी में एक प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर में दिनदहाड़े जमकर तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के समय दफ्तर में कोई मौजूद नहीं था। प्रारंभिक जांच में वारदात के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार यह वारदात शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे अंजाम दी गई। पीड़ित जसवीर सिंह ने बताया कि धनोनी रोड पर प्रीत कॉलोनी में उनका 'हरमन बिल्डर एंड प्रमोटर्स' नाम से दफ्तर है, जिसकी रजिस्ट्री उनके भाई के नाम पर है, जो पेशे से ड्राइवर है। जसवीर सिंह के मुताबिक, दोपहर करीब डेढ़ बजे तलवारों, डंडों और हथौड़ों से लैस सात से आठ युवक दफ्तर पहुंचे और उनकी गैरमौजूदगी में खुले दफ्तर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। हमलावरों ने दफ्तर के अंदर और बाहर लगे शीशे, फर्नीचर व अन्य सामान पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि हमलावर जाते समय सीसीटीवी कैमरों को भी नुकसान पहुंचा गए और रिकॉर्डिंग वाला डीवीआर, एक एप्पल लैपटॉप तथा कुछ जरूरी दस्तावेज अपने साथ ले गए। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तोड़फोड़ के पीछे पुरानी रंजिश की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और हमलावरों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा बठिंडा को 90 करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचे की सौगात, मुल्तानिया रेलवे ओवरब्रिज जनता को समर्पित, जनता नगर आर.ओ.बी. को मिली मंजूरी

बठिंडा, यूटर्न, 10 जनवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज बठिंडा के निवासियों को लगभग 90 करोड़ रुपये के बड़े बुनियादी ढांचे की सौगात दी। इसके तहत पुनर्निर्मित मुल्तानिया रेलवे ओवरब्रिज (आर.ओ.बी.) को जनता को समर्पित किया गया तथा जनता नगर में एक नए रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण को मंजूरी दी गई। इन दोनों परियोजनाओं का उद्देश्य शहर की लंबे समय से चली आ रही यातायात समस्याओं का समाधान करना है। मुल्तानिया आर.ओ.बी. को जनता को समर्पित करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब का एक प्रमुख रेलवे जंक्शन होने के कारण बठिंडा से कई रेलवे लाइनें गुजरती हैं।

Uturn Time 11 Jan 2026_Page 1-4.qxd 10-01-2026 22:37 Page 2

शेयर बाजार क्रैश: 5 दिनों में सेंसेक्स 2,100 अंक और निफ्टी 2 प्रतिशत क्यों गिरा?

चंडीगढ़/यूटर्न/10 जनवरी। पिछले पांच ट्रेडिंग सेशन में, भारत के बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 में गिरावट का साफ ट्रेंड देखा गया है, जिसमें सेंसेक्स 2,000 से ज्यादा अंक (2% से ज्यादा) गिरा और निफ्टी लगातार अहम सपोर्ट लेवल से नीचे फिसल गया। यह गिरावट कई नेगेटिव सेशन के बाद निवेशकों में बड़े पैमाने पर जोखिम से बचने की भावना को दिखाती है। गुरुवार को सेंसेक्स 780 अंक गिरा और निफ्टी 25,900 के निशान से नीचे रहा, जिसमें छ&ळ और टेक महिंद्रा जैसे बड़े शेयर गिरने वालों में शामिल थे। शुक्रवार को, बाजार थोड़ी देर के लिए ऊपर खुला लेकिन जल्द ही कमजोरी फिर से शुरू हो गई, जो कमजोर सेंटिमेंट को दिखाता है।

वैश्विक भू-राजनीतिक और व्यापारिक चुनौतियाँ

मौजूदा गिरावट के मुख्य कई कारण है। जिसमें बाजारों पर असर डालने वाला एक मुख्य कारण बढ़ता वैश्विक व्यापार तनाव है खासकर अमेरिकी व्यापार नीति और टैरिफ आउटलुक को लेकर अनिश्चितता। निवेशक नई टैरिफ कार्रवाई और भू-राजनीतिक बदलावों से होने वाले संभावित प्रतिकूल आर्थिक प्रभावों को लेकर सतर्क हो गए हैं, जो निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं।

विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) का पैसा निकालना

हाल के सेशन के डेटा से पता चलता है कि विदेशी निवेशकों की ओर से लगातार बिकवाली का दबाव है, जिससे लिक्विडिटी कम होती है और भारतीय इक्विटी में गिरावट की चाल तेज होती है, खासकर मिड और स्मॉल कैप सेगमेंट में।

वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की भावना

आर्थिक विकास, केंद्रीय बैंक के रुख और अंतरराष्ट्रीय तनावों की चिंताओं के कारण वैश्विक बाजारों में कमजोरी भारतीय बाजारों में भी फैल रही है। बढ़ी हुई अस्थिरता (जैसा कि इंडिया श्कमें बढ़ोतरी में देखा गया है) संकेत देती है कि ट्रेडर रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं।

घरेलू मुनाफावसूली और तकनीकी कमजोरी

हाल की तेजी के बाद, शॉर्ट-टर्म ट्रेडर द्वारा मुनाफावसूली ने गिरावट की गति को तेज कर दिया है। निफ्टी पर 25,700-25,750 के आसपास के तकनीकी सपोर्ट लेवल का बार-बार परीक्षण किया जा रहा है, और इन लेवल को बनाए रखने में विफलता से और बिकवाली हो सकती है।

आउटलुक: सावधानी बनी हुई है

वैश्विक कारक (व्यापार और भू-राजनीतिक तनाव) अभी भी अनसुलझे हैं और घरेलू प्रवाह FII की बिकवाली और टेक्निकल बाधाओं के दबाव का सामना कर रहे हैं, विश्लेषकों का कहना है कि निकट भविष्य में अस्थिरता बनी रह सकती है। हालांकि, अगर बेहतर कॉर्पोरेट कमाई, बेहतर लिक्विडिटी, या बाहरी जोखिमों में कमी जैसे सहायक उत्प्रेरक सामने आते हैं, तो बाजार ठीक हो सकते हैं।

बिकवाली बड़े पैमाने पर हुई है

बैंकिंग, IT और मेटल शेयरों में निवेशकों द्वारा जोखिम कम करने के कारण ज्यादा गिरावट देखी गई है। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स लार्जकैप की तुलना में ज्यादा प्रभावित हुए हैं, जो बाजार में सुधार के एक क्लासिक पैटर्न को दर्शाता है जहाँ ज्यादा जोखिम वाले सेगमेंट खराब प्रदर्शन करते हैं। निवेशकों के लिए इसका क्या मतलब है। गिरावट का यह दौर जरूरी नहीं कि किसी स्ट्रक्चरल संकट का संकेत हो, लेकिन यह बढ़े हुए जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को दिखाता है। जिसमें शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स को अपनी पोजीशन कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। लॉन्ग-टर्म होल्डर्स स्थापित टेक्निकल जोन के आसपास सपोर्ट ढूंढ सकते हैं। पूरे बाजार में संपत्ति का नुकसान काफी हुआ है, कैपिटलाइजेशन हाल के ऊंचे स्तरों से काफी नीचे आ गया है।

पुराना पेड़ काटे जाने से ग्रामीणों व पर्यावरण प्रेमियों में भारी रोष

डेराबस्सी, यूटर्न, 10 जनवरी। डेराबस्सी नगर कौंसिल के अधीन आते गांव महिमदपुर में धर्मशाला परिसर में खड़े करीब तीन दशक पुराने पीपल/पिलखन के पेड़ को काटे जाने पर गांववासियों और पर्यावरण प्रेमियों में भारी रोष फैल गया है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह ठेकेदारों द्वारा धर्मशाला परिसर में मौजूद इस पुराने पेड़ को काटने का काम शुरू किया गया। जैसे ही इसकी भनक गांववासियों को लगी, वे तुरंत मौके पर पहुंचे और कटाई का कड़ा विरोध किया। साथ ही सोशल मीडिया के जरिए प्रशासन और पत्रकारों तक अपनी आवाज पहुंचाई।

ग्रामीण जतिंदर सिंह ने बताया कि धर्मशाला परिसर में कुल तीन पेड़ थे, जिनमें से दो को पहले ही काटा जा चुका है और अब आखिरी बचे हरे-भरे पेड़ को भी खत्म करने की कोशिश की जा रही थी। मौके पर मौजूद ठेकेदार ने नगर कौंसिल की एक रसीद दिखाई, जिसके अनुसार इन पेड़ों को करीब तीन लाख रुपये की बोली में खरीदे जाने का दावा किया गया।

वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि यदि पेड़ काटने ही थे तो धर्मशाला निर्माण से पहले ऐसा किया जाना चाहिए था। अब जब धर्मशाला बन चुकी है और यह पेड़ बच्चों के खेलने तथा बुजुर्गों के बैठने के लिए ठंडी छांव का अहम स्रोत है, तो इसे काटना सरासर गलत है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट द्वारा हरे-भरे पेड़ों की कटाई पर रोक लगाई गई है, इसके बावजूद यह कार्रवाई चिंताजनक है।

ईओ ने दी कार्रवाई की बात

इस संबंध में नगर कौंसिल के कार्यकारी अधिकारी रवनीत सिंह ने बताया कि पेड़ काटने की अनुमति भले ही पहले दी गई हो, लेकिन गांववासियों के विरोध और मांग को देखते हुए फिलहाल काम रुकवा दिया गया है। पूरे मामले की गहनता से जांच की जाएगी और यदि नियमों की कोई उल्लंघना पाई गई तो जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लुधियाना में अल्ट्रा मॉडर्न टूल रूम का उद्घाटन

उद्योग-अनुकूल नीतियों से पंजाब बन रहा निवेश का हब: संजीव अरोड़ा

लुधियाना, यूटर्न, 10 जनवरी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की उद्योग-अनुकूल नीतियों और शांतिपूर्ण कार्य वातावरण के चलते राज्य में निवेश का प्रवाह लगातार बढ़ रहा है। 'इन्वेस्ट पंजाब' पहल के तहत वर्ष 2022 से अब तक लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है, जिससे 5.25 लाख से अधिक रोजगार अवसर सृजित हुए हैं।

यह बात कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने शुक्रवार को फोकल प्वाइंट, लुधियाना में केजे ग्रुप द्वारा स्थापित अल्ट्रा मॉडर्न टूल रूम के उद्घाटन अवसर पर कही। उन्होंने बताया कि केजे फोर्जिंग की इस नई इकाई पर 35 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जो पंजाब में औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 के दौरान केजे ग्रुप ने 52 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि वर्ष 2026 में 12 मेगावाट के सोलर पावर प्लांट पर 66 करोड़ रुपये और निवेश किया जाएगा। इससे न केवल औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। संजीव अरोड़ा ने खुशी जताई कि इस नई यूनिट में लगी अधिकांश मशीनें भारत में ही—बेंगलुरु और गुजरात जैसे शहरों में विकसित की गई हैं, जबकि पहले इन्हें विदेशों से आयात किया जाता था। यह 'मेक इन इंडिया' को मजबूती देता है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय विभाग से जुड़े मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। साथ ही, पीएसपीसीएल को निर्देश दिए जाएंगे कि गांवों, कस्बों और शहरों में कहीं भी लटकते तार न दिखें; इसके लिए 87 सब-डिवीजनों में टेंडर प्रक्रिया जारी है। सड़कों और सीवरेज सिस्टम के उन्नयन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुड्ढा दरिया के पुनर्जीवन का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। नदी में गोबर और डेयरी कचरा डालने पर पूर्ण प्रतिबंध है और रंगाई इकाइयों व फैक्ट्रियों को बिना उपचारित पानी छोड़ने से सख्ती से रोका गया है। इस अवसर पर केजे ग्रुप ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 लाख रुपये का योगदान दिया और पंजाब सरकार को उद्योग-अनुकूल नीतियों तथा शांतिपूर्ण माहौल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में राज्य सूचना आयुक्त हरप्रीत सिंह संधू, सीआईसीयू से उपकार सिंह आहूजा, ग्लाडा के मुख्य प्रशासक संदीप कुमार सहित कई उद्योग प्रतिनिधि मौजूद रहे।

13 बटालियन में 'समाधान' आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन

चंडीगढ, यूटर्न, 10 जनवरी। 13 बटालियन के प्रांगण में ब्रह्मकुमारी संस्था के सहयोग से 'समाधान' नामक एक विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्मकुमारी संस्था से जुड़े सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता बहन गीता, सूरज भाई एवं रूपेश भाई ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच तथा आत्म-परिवर्तन को बढ़ावा देना रहा। वक्ताओं ने राजयोग ध्यान के माध्यम से व्यावहारिक आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान किया, जिससे वदीधारी कार्मिकों को व्यावसायिक तनाव से निपटने और आंतरिक संतुलन बनाए रखने में सहायता मिल सके। जवानों ने ड्यूटी के दबाव, मानसिक संतुलन, अनुशासन, पारिवारिक समन्वय और जीवन से जुड़े कई व्यावहारिक प्रश्न रखे। श्री सूरज भाई ने सभी प्रश्नों के उत्तर अत्यंत सरल, स्पष्ट और व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से दिए। उनके मार्गदर्शन से न केवल समस्याओं के समाधान के मार्ग खुले, बल्कि जवानों का आत्मविश्वास एवं मनोबल भी सुदृढ़ हुआ। 13 बटालियन की कमांडेंट कमल सिसोदिया ने कहा कि ध्यान साधना वदीधारी कार्मिकों के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि नियमित ध्यान अभ्यास से मानसिक दृढ़ता, भावनात्मक संतुलन और निर्णय क्षमता में वृद्धि होती है, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी कार्य निष्पादन के लिए अनिवार्य है। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे प्रेरणादायक एवं अत्यंत लाभकारी बताया। समापन अवसर पर सभी वक्ताओं को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। बटालियन प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे कल्याणकारी एवं समग्र विकास उन्मुख कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

VOL: 10 | ISSUE 365 | SUNDAY 11-01-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

RNI NO PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

अचानक रोड क्रॉस करते समय ट्रक के आगे आए एएसआई, टक्कर से हुई मौत

पंजाब/यूटर्न/10 जनवरी। पंजाब के रोपड़ में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। जिसमें एक तेज रफ्तार ट्रक ने रोड पार करते एएसआई को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे अरक उछलते हुए दूर जा गिरा। जिसके बाद उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वह एक पुलिस चौकी में तैनात थे। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर वहां से फरार हो गया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने फुटेज कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक घनौली चौकी में तैनात एएसआई अश्वनी कुमार (52) सम्मन तामील करने की ड्यूटी करते थे। शनिवार दोपहर को भी वह सम्मन देकर दूसरी जगह जा रहा था। करीब 11.55 बजे वह घनौली रोड पार कर दूसरी तरफ जा रहा था तो एक तेज रफ्तार ट्रक ने एएसआई को टक्कर मार दी।

ट्रक की टक्कर से उछलकर दूर गिरा, दम तोड़ा

ट्रक की टक्कर से एएसआई उछलकर दूर जा गिरा और मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होने के बाद ट्रक वाला थोड़ी देर वहां रुका लेकिन ट्रक से नीचे नहीं उतरा। जैसे ही उसने देखा कि अरकको मौत हो गई तो वह वहां से ट्रक समेत फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद घनौली पुलिस वहां पहुंची। जिसके बाद लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। पुलिस के मुताबिक अरकअश्वनी मूल रूप से नंगल के बरारी के रहने वाले थे। जहां वे अपने 2 बेटों और पत्नी के साथ रहते थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत ट्रैफिक नियमों को लेकर किया जागरूक

डेराबस्सी, यूटर्न, 10 जनवरी। बढ़ते सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और लोगों को सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चल रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत टेंपो ऑपरेटर यूनियन, मुबारकपुर में एक विशेष जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान ट्रैफिक इंचार्ज मुबारकपुर हरकेश सिंह ने वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों की पालना की शपथ दिलाई।

इस मौके पर हरकेश सिंह ने ड्राइवरों को सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सर्दियों के मौसम और घने कोहरे को ध्यान में रखते हुए उन्होंने वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने की अहमियत पर भी जोर दिया, ताकि रात के समय होने वाले हादसों से बचा जा सके। अधिकारियों ने सख्त शब्दों में कहा कि नशे की हालत में वाहन चलाना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह अपनी और दूसरों की जान को खतरे में डालने जैसा है। ट्रैफिक इंचार्ज हरकेश सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा सिर्फ एक नियम नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा की गारंटी है। यदि वाहन चालक स्वयं जागरूक होंगे तो सड़क हादसों में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है।

इस अवसर पर टेंपो ऑपरेटर यूनियन के प्रधान और सदस्यों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की और भरोसा दिलाया कि सभी चालक ट्रैफिक नियमों की पूरी तरह पालना करेंगे तथा सड़क अनुशासन बनाए रखने में सहयोग देंगे। कैंप के अंत में वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों से संबंधित पंफलेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में ट्रैफिक हवलदार सुरिंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में टेंपो चालक और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति हरियाणा को लेकर पंचकूला पुलिस व पत्रकारों के बीच मैत्री क्रिकेट मैच

पंचकूला, यूटर्न, 10 जनवरी। नशा मुक्ति हरियाणा अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से पंचकूला पुलिस और पंचकूला के पत्रकारों के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य खेल के माध्यम से समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना रहा। मैच के दौरान खेल भावना के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी संदेश दिया गया। इस अवसर पर डीसीपी क्राइम एवं ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन और एसीपी सुरेंद्र विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और नशे के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। डीसीपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि नशा समाज और विशेषकर युवाओं के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा है। नशा मुक्ति हरियाणा अभियान के तहत पुलिस लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन इसमें मीडिया और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। ऐसे खेल आयोजनों के माध्यम से हम सकारात्मक संदेश देकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून के जरिए नहीं, बल्कि जन-जागरूकता से ही जीती जा सकती है।

बचपन से नियमों की सीख, भविष्य में हादसों पर रोकः बच्चों को ट्रैफिक नियम सिखाने पहुंची पंचकूला ट्रैफिक पुलिस

पंचकूला, यूटर्न, 10 जनवरी। सड़क सुरक्षा को लेकर बच्चों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज पंचकूला ट्रैफिक पुलिस द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित सरकारी स्कूल में आयोजित हुआ, जहां ट्रैफिक पुलिस की टीम ने स्कूली बच्चों को सरल और सहज भाषा में यातायात नियमों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने बच्चों को सड़क पार करने का सही तरीका समझाया और जेब्रा क्रॉसिंग के महत्व पर जोर दिया। बच्चों को बताया गया कि सड़क पार करते समय हमेशा दाएं-बाएं-दाएं देखकर ही आगे बढ़ना चाहिए। इसके साथ ही ट्रैफिक सिग्नल के लाल, पीले और हरे रंग का अर्थ भी विस्तार से समझाया गया और बताया गया कि ये नियम उनकी सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं।

ट्रैफिक पुलिस ने बच्चों को पैदल चलते समय फुटपाथ का प्रयोग करने, साइकिल चलाते समय बाईं ओर चलने और हेलमेट पहनने की सलाह दी। इसके अलावा वाहन में बैठते समय सीट बेल्ट लगाने, खिड़की से बाहर हाथ या सिर न निकालने तथा स्कूल बस में अनुशासन बनाए रखने के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया गया।

ड्रिंक एंड ड्राइव नाके पर बड़ा हादसाः बैरिकेड से टकराई बाइक, युवक की मौत के बाद पंचकूला में तनाव

अजीत झा

पंचकूला, यूटर्न, 10 जनवरी। पंचकुला सेक्टर 7/18 डिवाइडिंग रोड पर शुक्रवार देर रात लगाए गए ड्रिंक एंड ड्राइव नाके पर एक दर्दनाक सड़क हादसे ने कानून-व्यवस्था से जुड़े कई सवाल खड़े कर दिए। चंडीगढ़ से पंचकूला की ओर आ रही एक बाइक पुलिस बैरिकेड से टकरा गई, जिसमें पीछे बैठे युवक की मौके पर ही गंभीर चोट लग गई और बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल और पुलिस थाने में जमकर हंगामा किया।

जानकारी के मुताबिक बाइक पर सेक्टर-25 चंडीगढ़ कॉलोनी के तीन युवक सवार थे। बाइक चालक विशाल जैसे ही नाके के पास पहुंचा, अचानक बैरिकेड सामने आ गया और तेज रफ्तार

बाइक उससे टकरा गई। टक्कर के बाद पीछे बैठा युवक हनी सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। विशाल के हाथ में भी बैरिकेड लगने से चोट आई, जबकि तीसरा युवक लक्षित भी बाइक पर मौजूद था।

घटना के तुरंत बाद घायल हनी को सेक्टर-6 नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और रात में ही जमकर हंगामा किया। हालात उस वक्त और बिगड़ गए जब शनिवार सुबह चंडीगढ़ से बड़ी संख्या में लोग सेक्टर-1 स्थित डीसीपी कार्यालय पहुंच गए और पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। एसीपी दिनेश ने परिजनों और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। इसके बावजूद शनिवार शाम करीब 4:30 बजे तक परिजन सेक्टर-7 थाना परिसर में डटे रहे।

परिजनों का आरोप है कि नाके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने जानबूझकर बाइक के सामने बैरिकेड खड़ा कर दिया, जिससे हादसा हुआ और हनी की जान चली गई। उनका कहना है कि यदि बैरिकेडिंग सही तरीके से होती और संकेत पहले दिए जाते, तो यह हादसा टल सकता था।

वहीं पुलिस ने अपने पक्ष में मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि तीनों युवक शराब के नशे में थे और किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। एसीपी दिनेश के अनुसार, बाइक चालक विशाल के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया गया है। साथ ही, परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल युवक की मौत के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है और ड्रिंक एंड ड्राइव नाकों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

कड़ाके की ठंड में क्रिकेट का रोमांच, लुधियाना में सेलिब्रिटी टी-20 मुकाबला बना आकर्षण

पंजाब दे शेर बनाम ड्रीम्स क्रिकेट क्लब, सितारों ने बढ़ाया मैदान का तापमान

लुधियाना, यूटर्न, 10 जनवरी। कड़ाके की ठंड के बावजूद कारोबारी नगरी लुधियाना में क्रिकेट का जोश चरम पर नजर आया, जब ड्रीम्स क्रिकेट क्लब (DCC) की ओर से एक विशेष टी-20 दिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इस फ्रेंडली मुकाबले में वर्ल्ड फेमस सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग में खेलने वाली चर्चित पॉलीबुड टीम 'पंजाब दे शेर' और डीसीसी टीम आमने-सामने हुई। पंजाब दे शेर टीम की ओर से मशहूर सिंगर-एक्टर हार्डी संधू, जस्सी गिल, बबल राय, निंजा, विक्रमजीत सिंह और दक्षजीत सिंह सहित कई सेलिब्रिटी खिलाड़ियों ने मैदान संभाला। टीम के ओनर पुनीत सिंह भी विशेष रूप से मौजूद रहे। टी-20 मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब दे शेर ने डीसीसी को 150 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में डीसीसी टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 152 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। अंतिम ओवर तक चले इस मुकाबले ने दर्शकों को पूरी तरह बांधे रखा। मैच देखने के लिए शहर के कई नामी परिवार और खेल प्रेमी विशेष रूप से पहुंचे,

जिन्होंने खिलाड़ियों का तालियों और उत्साह के साथ हौसला बढ़ाया। लुधियानवियों ने पंजाब दे शेर के सेलिब्रिटी खिलाड़ियों और टीम ओनर का गर्मजोशी से स्वागत कर अपनी मशहूर मेहमाननवाजी का परिचय दिया। मैच के बाद पंजाब दे शेर के ओनर पुनीत सिंह ने कहा, लुधियाना के लोग अपनी मेहमाननवाजी के लिए जाने जाते हैं, आज हमने इसे करीब से महसूस किया। मैच के पुरस्कारों में कुणाल जेतवानी को 35 गेंदों में 70 रन की धमाकेदार पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। हार्डी संधू को 37 गेंदों में 50 रन के लिए बेस्ट बैट्समैन, ईशान को बेस्ट बॉलर और निंजा को बेस्ट फील्डर घोषित किया गया। ठंड के मौसम में आयोजित यह सेलिब्रिटी क्रिकेट मुकाबला खेल, मनोरंजन और उत्साह का शानदार संगम साबित हुआ।

चंडीगढ़/ट्रांसिटी

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

III रविवार, 11 जनवरी 2026

पेज 08 लग्जरी कारों के शोरूम पर फायरिंग, 2 गैंगस्टरों...

पीपीएससी ने पंजाब सिविल सर्विस की 331 पदों के लिए प्रीलिम्स का रिजल्ट घोषित किया

चंडीगढ़/यूटर्न/10 जनवरी। पंजाब पब्लिक सर्विस कमीशन (पीपीएससी) ने शनिवार को पंजाब स्टेट सिविल सर्विसेज कंबाइंड कॉम्पिटिटिव (प्रीलिमिनरी) परीक्षा-2025 के जरिए 331 पदों पर भर्ती के लिए नतीजे घोषित कर दिए हैं। पीपीएससी की वेबसाइट पर एक आधिकारिक नोटिस के अनुसार, 331 पदों पर भर्ती के लिए संशोधित आंसर की और प्रोविजनली शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के बारे में पब्लिक नोटिस 10-01-2026 को अपलोड कर दिया गया है। 85,192 रजिस्टर्ड उम्मीदवारों में से, लगभग 33,000 यानी लगभग 40% 7 दिसंबर को हुई प्रारंभिक परीक्षा में शामिल हुए।

उम्मीदवार अपना रिजल्ट पीपीएससी की वेबसाइटः www.ppsc.gov.in पर देख सकते हैं। यह परीक्षा डीएसपी, तहसीलदार, एक्साइज एंड टैक्सेशन ऑफिसर, फूड एंड सिविल सप्लाइज ऑफिसर, और लेबर-कम-कॉन्सिलिएशन ऑफिसर जैसे पदों के लिए आयोजित की गई थी। यह टेस्ट पटियाला, एसएएस नगर (मोहाली), लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, संगरूर और चंडीगढ़ में 165 केंद्रों पर आयोजित किया गया था, जिन्हें आगे 222 ब्लॉकों में बांटा गया था। लुधियाना में सबसे ज्यादा उपस्थिति दर्ज की गई, जिसमें 18,424 उम्मीदवार शामिल हुए।

परीक्षा को लेकर विवाद हुआ खड़ा

इस परीक्षा को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है, जब पंजाबी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले एक छात्र संगठन, मिसल सतलुज ने पीपीएससी को एक ज्ञापन सौंपा। कुछ उम्मीदवारों और सिविल सोसायटी कार्यकताओं ने पीपीएससी हेड ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें दावा किया गया कि इस साल की पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा में पंजाबी भाषा को जानबूझकर और बहुत ज्यादा कम कर दिया गया है, जिससे ग्रामीण छात्रों को नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि सिविल सर्विसेज एप्टीट्यूड टेस्ट (सीएसएटी) पेपर 2 में, जहां पहले पंजाबी में 15-25 सवाल पूछे जाते थे, वहीं इस साल सिर्फ.आठ सवाल शामिल किए गए थे।

दिल्ली में कोर्ट स्टाफ ने आत्महत्या की, सरकारी संस्थानों में काम का दबाव भी एक वजह

चंडीगढ़/यूटर्न/10 जनवरी। शुक्रवार को दिल्ली की साकेत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में हुई एक दुखद घटना ने न्यायपालिका में काम के दबाव और स्टाफ की कमी पर फिर से ध्यान खींचा है। 35 साल के एक कोर्ट स्टाफ ने कोर्ट कॉम्प्लेक्स के अंदर एक बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद कोर्ट के कर्मचारियों और वकीलों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिन्होंने काम के बोझ, मानसिक तनाव और सिस्टम की अनदेखी पर चिंता जताई।

मृतक हरीश सिंह महार है, जो साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स में अहलमद, यानी कोर्ट रिकॉर्ड कीपर के पद पर तैनात था। वह एक डिजिटल ट्रैफिक कोर्ट में काम करता था और 2010 से न्यायपालिका में सेवा दे रहे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, उन्होंने कोर्ट नंबर 511 के पास एक बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल से छलांग लगाई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मौके पर मिला सुसाइड नोट

पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है। नोट में बहुत ज्यादा काम के दबाव और मानसिक तनाव का ज़िक्र था। हरीश ने साफ किया कि उन्होंने यह कदम खुद उठाया है और अपनी मौत के लिए किसी को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया। उन्होंने अपनी शारीरिक स्थिति और काम के तनाव का भी ज़िक्र किया। नोट में उन्होंने आर्थिक तंगी के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि इन मजबूरियों के कारण वह समय से पहले रिटायरमेंट नहीं ले पाए, जबकि उनकी विकलांगता के कारण काम का बोझ संभालना मुश्किल हो गया था।

स्टॉफ ने किया विरोध प्रदर्शन

घटना के तुरंत बाद, कोर्ट स्टाफ साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स के अंदर इकट्ठा हुआ और विरोध प्रदर्शन किया। कई लोग उस बिल्डिंग के बाहर बैठ गए जहां यह घटना हुई थी। उन्होंने नारे लगाए और जवाबदेही की मांग की। परिसर में ₹हरीश के लिए न्याय₹ के नारे गूंज रहे थे। कई वकील भी स्टाफ के साथ एकजुटता दिखाते हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

मनीमाजरा में चोर गिरोह पर पुलिस की कार्रवाई, दो मामलों में तीन युवक दबोचे गए

अजीत झा

चंडीगढ़, यूटर्न, 10 जनवरी। चंडीगढ़ के मनीमाजरा क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाते हुए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो अलग-अलग चोरी के मामलों का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से सोने-चांदी के आभूषणों के अलावा घरेलू इलेक्ट्रॉनिक सामान और तेल के टिन बरामद किए गए हैं।

पुलिस कार्रवाई के बाद तीनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शमशेर सिंह (निवासी मरी वाला टाउन, मनीमाजरा), शंकर रावत (निवासी पिपली वाला टाउन, मनीमाजरा) और करण उर्फ पेप्सी (निवासी झुग्गी, माजरी चौक, पंचकुला, हरियाणा) के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार शमशेर सिंह और शंकर रावत का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है, जबकि करण उर्फ पेप्सी पहले आर्म्स एक्ट के एक मामले में नामजद रह चुका है ।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये गिरफ्तारियां दो अलग-अलग एफआईआर के तहत की गई हैं। पहला मामला थाना मनीमाजरा में एफआईआर नंबर 4, दिनांक 9 जनवरी 2026 को दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार मनीमाजरा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स स्थित दुकान नंबर 61 से ब्लोअर और मिक्सी ग्राइंडर चोरी कर लिए गए थे ।पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि कहीं ये किसी अन्य चोरी की वारदात में भी शामिल तो नहीं रहे हैं।

भ्रष्टाचार केस में बिचौलिए किर्शनु शारदा को राहत नहीं, सीबीआई अदालत ने जमानत से किया इनकार

चंडीगढ़/यूटर्न/10 जनवरी। चंडीगढ़ की सीबीआई की विशेष अदालत ने पंजाब पुलिस के निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर से जुड़े भ्रष्टाचार प्रकरण में अहम फैसला सुनाते हुए बिचौलिए किर्शनु शारदा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने सीबीआई का पक्ष सुनने के बाद यह निर्णय दिया ।इससे पहले कोर्ट ने मामले में सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। सीबीआई की ओर से शुक्रवार को दाखिल जवाब पर सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और आरोपी को फिलहाल किसी भी तरह की राहत देना उचित नहीं होगा। कोर्ट ने इन दलीलों से सहमति जताते हुए जमानत याचिका नामंजूर कर दी। उधर, आरोपी किर्शनु शारदा की ओर से अदालत में यह तर्क दिया गया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है और चालान भी पेश किया जा चुका है। बचाव पक्ष ने दावा किया कि उसे झूठे आरोपों में फंसाया गया है और इसलिए जमानत दी जानी चाहिए, लेकिन कोर्ट ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया ।गौरतलब है कि इसी मामले में निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की जमानत याचिका पहले ही 2 जनवरी को सीबीआई अदालत द्वारा खारिज की जा चुकी है, हालांकि बाद में उन्हें आय से अधिक संपत्ति से जुड़े एक अलग मामले में जमानत मिल गई थी ।सीबीआई के मुताबिक, किर्शनु शारदा को 16 अक्टूबर 2025 को इस भ्रष्टाचार मामले में हरचरण सिंह भुल्लर के साथ गिरफ्तार किया गया था। मामले की अगली सुनवाई नियत तिथि पर होगी।

13 साल बाद चंडीगढ़ स्टेट कोऑपरेटिव बैंक की एजीएम आयोजित, चेयरमैन सतेंद्र पाल सिंह सिद्धू ने रखी उपलब्धियों की रिपोर्ट

चंडीगढ़/यूटर्न/10 जनवरी। चंडीगढ़ स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की वार्षिक जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन शनिवार को सेक्टर-22 स्थित कम्युनिटी सेंटर में किया गया। लंबे अंतराल के बाद हुई इस बैठक की अध्यक्षता बैंक के चेयरमैन सतेंद्र पाल सिंह सिद्धू ने की। वर्ष 2012 के बाद पहली बार आयोजित हुई इस एजीएम को बैंक के इतिहास में एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। बैठक में वाइस चेयरमैन कुलविंदर सिंह काला, मैनेजिंग डायरेक्टर अनुराधा चगति सहित बैंक के सभी निदेशक मौजूद रहे। इनमें सुरजीत सिंह ढिल्लो, भूपिंदर सिंह बड़ेरी, हरदीप सिंह, जीत सिंह, जुझार सिंह, बाल किशन, तरलोचन सिंह, गुरप्रीत सिंह और मंजीत सिंह राणा प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अलावा जनरल मैनेजर संधू, बैंक अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में शेयरधारकों ने भी बैठक में भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत जनरल मैनेजर संधू द्वारा चेयरमैन और निदेशक मंडल के सदस्यों का गुलाब के फूल भेंट कर स्वागत करने से हुई। इसके बाद एजेंडा अनुसार बैंक की वित्तीय स्थिति, कार्यप्रणाली और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर चेयरमैन सतेंद्र पाल सिंह सिद्धू ने कहा कि 13 वर्षों बाद जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन बैंक के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि बैठक में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों को सदस्यों की सहमति से पारित किया गया। चेयरमैन ने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में बैंक को और अधिक सशक्त, आधुनिक और शेयरधारक-हितैषी बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

भगवान महावीर सेवा संस्थान द्वारा जुग्गी झोपड़ी के इलाके में जाकर मनाया लोहड़ी का त्यौहार राकेश जैन

लुधियाना, यूटर्न, 10 जनवरी। 2005 से निरंतर सेवा के क्षेत्र में सक्रिय लुधियाना, यूटर्न, 10 जनवरी। भगवान महावीर सेवा संस्थान की ओर से न जाने कितने सेवा के प्रकल्पों पर अनगिनत मानव सेवा के कार्य निरंतर किया जा रहे हैं इसी श्रृंखला में आज श्री जगत राम शकुंतला देवी जैन मेमोरियल विद्या मंदिर एवं जैन चैरिटेबल सिलाई केंद्र जो की समाज सेविका मीना देवी की छत्रछाया में , चूरपुर रोड, लादीया रोड, पर उनके दिशा निर्देश में और उनकी रहनुमाई में, उन्हीं के प्रांगण में, पिछले कई वर्षो से बच्चों की पढ़ाई के व्यवस्था और महिलाएं भी बने आत्म निर्भर भारत का हिस्सा के अंतर्गत महिला शाखा भगवान महावीर सेवा सोसाइटी द्वारा एक विशाल सिलाई केंद्र स्थापित किया गया, आज न जाने कितनी औरतें इस प्रांगण से सिलाई का कार्य सिख कर अपने घर को स्वावलंबी बन रही हैं ,आज इन्हीं परिवारों के बीच लोहड़ी के महापर्व को बच्चों औरतें एवं बुजुर्गों के सॉन्ग उनको खाने पीने का सामान, कपड़े, गर्म टोपिया, स्टेशनरी का सामान आदि अन्य सामग्री वितरण की गई, इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष राकेश जैन ने बताया इन परिवारों के सॉन्ग त्योहारों को मनाना, एक समानता का संदेश बनता है, छोटे और बड़े की भावना को दूर करने का मात्र एक यही साधन है की अमीर और गरीब मिलकर सभी त्योहारों को मनाया जाए, इस मौके पर भगवान महावीर सेवा संस्थान के अध्यक्ष राकेश जैन, महिला शाखा कोषाध्यक्ष रमा जैन, मीना देवी, विशाल, नंदिनी, मोनिका ,जानवी ,निभा, अंजू वर्मा, रीना आदि अन्य उपस्थित थे।

बाबा खाटू श्याम जी की महिमा के लाखों-करोड़ों दीवाने : राजेश जैन बॉबी

दर्शनों के लिए बस रवाना

लुधियाना, यूटर्न, 10 जनवरी। बाबा श्याम सेवा संघ की ओर से 7वीं बस समाज सेवक दीपक बांसल की अगुवाई में श्री खाटू श्याम जी के दर्शनों के लिए गांधी नगर लुधियाना से रवाना हुई। बस के रवाना होने से पहले हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और श्री खाटू श्याम का जाप किया गया। मुख्यातिथि के रूप में पंजाब अल्पसंख्यक आयोग के मैंबर युवारत्न राजेश जैन बॉबी एवं श्री गणेश गौरी शंकर नमकीन भंडार शिवपुरी के मालिक व समाज सेवक अनिल नैयर पहुंचे जिन्होंने नारियल फोड़कर बस यात्रा का शुभारंभ किया। युवारत्न राजेश जैन बॉबी ने कहा कि बाबा खाटू श्याम जी की महिमा अपरम्पार है। देश-विदेश में बाबा खाटू श्याम जी की महिमा के लाखों करोड़ों दीवाने हैं। बाबा खाटू श्याम सभी भक्तों की मुरादें पूरी करते हैं। इस अवसर पर योगेश बांसल, विशाल बांसल, जतिन हांडा, धैर्य बांसल, विक्की बलाचौर, गणेश लुधियाना, द्रविन आदि मौजूद थे।

Happy Birthday

यशवर्धन शर्मा

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

क्या हिंदू और मुस्लिम वोट प्रोपेगेंडा अब बड़ी आग का रूप ले रहा है ?

वर्तमान समय में भारतीय राजनीति में धर्म आधारित वोट प्रचार एक गंभीर मुद्दा बनता जा रहा है। चुनावों के दौरान हिंदू और मुस्लिम समुदायों को अलग-अलग करके संबोधित करना, भावनात्मक नारों का प्रयोग करना और इतिहास या घटनाओं को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करना अब आम होगया है। यह प्रचार केवल वोट हासिल करने का साधन नहीं रह गया, बल्कि धीरे-धीरे सामाजिक सौहार्द के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

जब राजनीतिक लाभ के लिए धर्म को हथियार बनाया जाता है, तो समाज में अविश्वास, डर और नफरत फैलती है। आम लोग, जो सदियों से साथ रहते आए हैं, एक-दूसरे को शक की नजर से देखने लगते हैं। सोशल मीडिया और भाषणों के जरिए फैलाया गया भड़काऊ संदेश आग में घी डालने का काम करता है। इसका असर केवल चुनाव तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लंबे समय तक समाज की सोच और व्यवहार को प्रभावित करता है।

यह स्थिति किसी आने वाले खतरे कासंकेत भी हो सकती है। यदि समय रहते इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो सामाजिक तनाव बढ़ सकता है और लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंच सकता है। जरूरत है कि राजनीति विकास, शिक्षा, रोजगार और समानता जैसे मुद्दों पर केंद्रित हो। नागरिकों को भी सजग रहकर नफरत भरे प्रचार को नकारना चाहिए, ताकि देश की एकता और शांति बनी रहे।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Imsurance Claim Reject हो जाए तो क्या करें? घबराएँ नहीं, सही रास्ता अपनाएँ

कई बार सभी कागज देने और समय पर सूचना देने के बावजूद Imsurance Claim Reject हो जाता है। ऐसे में ज्यादातर लोग या तो निराश होकर मामला छोड़ देते हैं, या बिना पूरी जानकारी के कंपनी से बहस करने लगते हैं। दोनों ही तरीके नुकसानदेह हो सकते हैं। सही जानकारी और प्रक्रिया से कई rejected claims दोबारा मजबूत बनाए जा सकते हैं। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि Claim reject होने का कारण क्या बताया गया है। Insurance Company आमतौर पर rejection letter या ई-mail में कारण लिखती है—जैसे देरी से सूचना देना, दस्तावेजों की कमी, पॉलिसी शर्तों का उल्लंघन या घटना का विवरण अस्पष्ट होना। बिना कारण समझे कोई कदम उठाना सही नहीं होता।

अगर rejection का कारण तकनीकी या दस्तावेज से जुड़ा हो, तो उसका समाधान अक्सर संभव होता है। कई मामलों में अतिरिक्त कागज, स्पष्टीकरण या सही विवरण देने से कंपनी दोबारा उं पर विचार करती है। इसलिए जल्दबाजी में हार मान लेना समझदारी नहीं है।

यह भी जरूरी है कि बातचीत लिखित रूप में हो। फोन पर हुई बातों का रिकॉर्ड नहीं रहता, जबकि ई-mail या लिखित शिकायत आगे चलकर आपके पक्ष को मजबूत बनाती है। शांति और तथ्यों के साथ की गई बातचीत का असर अक्सर बेहतर होता है। अगर Insurance Company के स्तर पर समाधान न निकले, तो उपभोक्ता के पास आगे के विकल्प भी होते हैं। कानून यह नहीं कहता कि नागरिक गलत फैसले को चुपचाप स्वीकार करे। सही मंच पर समय पर की गई शिकायत कई बार स्थिति बदल देती है।

निष्कर्ष : Insurance Claim reject होना अंत नहीं है, बल्कि प्रक्रिया का एक चरण है। घबराहट, गुस्सा या चुप्पी—तीनों नुकसान पहुँचा सकते हैं। सही कारण समझकर, दस्तावेजों के साथ और सही तरीके से आगे बढ़ना ही सबसे मजबूत रास्ता है। जागरूक उपभोक्ता वही है जो अपने अधिकार जानता है और उन्हें सही ढंग से इस्तेमाल करता है।

इस्तीफाओं का सिलसिला जारी, 'आप' चंडीगढ़ को एक और झटका

चंडीगढ़, यूटर्न, 10 जनवरी। आम आदमी पार्टी (आप) चंडीगढ़ में इस्तीफाओं का दौर लगातार जारी है। पार्टी को एक और झटका देते हुए ग्रिवेंस कमेटी (सेल) चंडीगढ़ के चेयरमैन जगजीवनजीत सिंह (जे.जे. सिंह) ने अपने पद और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। जगजीवनजीत सिंह ने यह इस्तीफा 'आप' चंडीगढ़ यूनिट के अध्यक्ष विजय पाल सिंह को भेजे पत्र के माध्यम से दिया। अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा कि 'अनिवार्य परिस्थितियों' के चलते वह पार्टी में चेयरमैन ग्रिवेंस कमेटी (सेल) के रूप में कार्य नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए वह अपने पद के साथ-साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी त्यागपत्र दे रहे हैं।

इस्तीफे के बाद पार्टी संगठन में एक बार फिर अंदरूनी हालात को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। हाल के दिनों में लगातार हो रहे इस्तीफों से 'आप' चंडीगढ़ की संगठनात्मक स्थिति पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, इस इस्तीफे को लेकर पार्टी नेतृत्व की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनावी माहौल से पहले इस तरह के इस्तीफे पार्टी के लिए चुनौती बन सकते हैं। अब सबकी नजर इस बात पर है कि जगजीवनजीत सिंह आगे किस राजनीतिक राह का चयन करते हैं।

'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान फेज-2 की शुरूआत

एम एल ए कुलजीत सिंह रंधावा द्वारा हलका डेराबस्सी में जन-जागरूकता पदयात्राओं का शुभारंभ

डेराबस्सी, यूटर्न, 10 जनवरी। पंजाब सरकार द्वारा मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे निर्णायक अभियान 'युद्ध नशों के विरुद्ध' के फेज-2 की शुरूआत आज हलका डेराबस्सी में गांव बाकरपुर से जोर-शोर के साथ की गई। इस अवसर पर विधायक कुलजीत सिंह रंधावा द्वारा नशा विरोधी जन-जागरूकता पदयात्राओं का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर हलका विधायक श्री कुलजीत सिंह रंधावा ने क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब सरकार नशों के खिलाफ केवल कानूनी कार्रवाई ही नहीं कर रही, बल्कि समाज को जागरूक कर युवाओं को सही दिशा की ओर ले जाने का भी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि फेज-2 के दौरान गांवों और शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर जागरूकता, रोकथाम, इलाज और पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

हलका विधायक ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की समस्या है और इसे समाप्त करने के लिए सरकार के साथ-साथ जनता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशों से दूर रहकर खेल, शिक्षा और रोजगार की ओर ध्यान केंद्रित करें।

इस अवसर पर सुमित राणा, हलका कोऑर्डिनेटर ने कहा कि 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान के तहत पदयात्राओं, जागरूकता शिविरों, स्कूलोंझ्रकॉलेजों में कार्यक्रमों तथा गांव स्तर पर जनसंपर्क के माध्यम से नशों के खिलाफ एक व्यापक जन-आंदोलन तैयार किया जा रहा है।

Uturn Time 11 Jan 2026_Page 1-4.qxd 10-01-2026 22:37 Page 7

जगरांव में सफाई व्यवस्था बेपटरी, डंपिंग ग्राउंड न होने से सफाईकर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

सड़कों पर बह रहा सीवरेज का गंदा पानी

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/10 जनवरी। कूड़ा फेंकने के लिए डंपिंग ग्राउंड का उचित प्रबंध न होने के कारण नगर काउंसिल जगराओं के सफाई कर्मचारियों द्वारा शुरू की गई अनिश्चितकालीन हड़ताल ने शहर की सूरत बिगाड़ कर रख दी है। पिछले तीन दिनों से जारी इस पूर्ण हड़ताल के कारण जगराओं शहर गंदगी के ढेर में तब्दील होता जा रहा है और शहर की सुंदरता तरस योग्य हो गई है।

15 दिन पहले ही ठप हो गया था कूड़ा लिफ्टिंग का काम

बेशक सफाई कर्मचारी पिछले तीन दिनों से पूर्ण हड़ताल पर हैं, लेकिन कूड़ा डंप करने की जगह न होने के कारण शहर की गलियों और घरों से कूड़ा उठाने का काम पिछले करीब 15 दिनों से ही बंद कर दिया गया था। इसके बावजूद, सफाई कर्मचारियों द्वारा रोजाना शहर की गलियों में झाड़ू लगाने का काम लगातार जारी था। लेकिन अब अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के कारण सफाई का काम पूरी तरह से ठप हो गया है, जिससे हालात और बिगड़ते नजर आ रहे हैं।

सीवरेज जाम, सड़कों पर आया नालियों का गंदा पानी

हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। गली-मोहल्लों में जहां कूड़े के अंबार लगे आम दिखाई दे रहे हैं, वहीं अब सफाई न होने के कारण सीवरेज और नालियों की दुर्दशा भी शुरू हो गई है। पानी की निकासी न होने के कारण सीवर और नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बहना शुरू हो गया है, जिससे आम राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया है।

धार्मिक स्थलों को जाने वाले रास्ते हुए बंद

इस अव्यवस्था की सबसे भयानक तस्वीर जगरांव के काउंसलर सतीश कुमार पप्पू और काउंसलर अनीता सभरवाल के वार्ड को जोड़ने वाली सड़क पर देखने को मिल रही है। यहां पानी की निकासी के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण गंदा पानी सड़क पर जमा हो गया है। गौर हो कि इस सड़क के पास ही गुरुद्वारा साहिब और कई अन्य धार्मिक स्थान मौजूद हैं, जहां रोजाना सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु सुबह-शाम नतमस्तक होने पहुंचते हैं। लेकिन सड़क के इन तरसयोग्य हालातों के कारण संगत को यहां से गुजरने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

मृतक पूर्व फौजी को इन्साफ दिलाने के लिए फौजी बेटा निकाल रहा थाने के चक्कर, पुलिस मुलाजिम लगा रहे लारे

राज बब्बर, रजनीश बांसल

मुल्लांपुर दाखा/यूटर्न/10 जनवरी। बीती 6 जनवरी की रात को सड़क हादसे के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए मोटरसाइकिल सवार पूर्व फौजी दरबारा सिंह की एक तेज रफ्तार कार के साथ टक्कर होने से मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बेशक कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है,लेकिन अभी तक गिरफ्तारी नहीं की है। जिसके चलते शनिवार पूर्व फौजी दरबारा सिंह का फौजी बेटा जगदीप सिंह अपने रिश्तेदारों प्रदीप सिंह फौजी, नछत्तर सिंह और राजदीप सिंह ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने मृतक पिता की लाश लेकर थाना दाखा के आगे पहुंच कर पुलिस के

खिलाफ रोष जाहिर करने लगे और कार चालक की गिरफ्तारी होने तक अपने पिता का अंतिम संस्कार करने से भी मना कर दिया। लेकिन थाना दाखा के एसएचओ हमराज सिंह से कार चालक की गिरफ्तारी का भरोसा मिलने पर उन्होंने अपने पिता का अंतिम संस्कार कर दिया। इस मौके पूर्व फौजी दरबारा सिंह के अंतिम संस्कार मौके फौज के अधिकारी भी पहुंचे और सभी ने मृतक दरबारा सिंह की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धा के फूल भी अर्पित किए।

काम से लौटते समय हुआ था हादसा... इस सड़क हादसे की जांच कर रहे एएसआई गुरमीत सिंह के अनुसार पारिवारिक मेंबरों ने अपने बयान में बताया कि वह और दरबारा सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी गांव माजरी (दोवे) चेकमेट कंपनी लुधियाना में काम करते थे। 6 जनवरी 2026 को जब वे दोनों ड्यूटी खत्म करके बाइक पर घर लौटते समय तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने टक्कर मार दी। जिससे दरबारा सिंह की मौत हो गई। कार को चेतन चौहान गंभीर पुत्र अमरजीत गंभीर निवासी मंडी मुल्लांपुर चला रहा था।

बेटियों से सवाल नहीं, उनकी हिम्मत बनें पीड़िता को दोषी ठहराने की मानसिकता छोड़नी होगी महिला थाना प्रभारी

- जब पीड़िता को भावनात्मक और सामाजिक सहयोग मिलेगा तभी वह खुलकर अपनी बात रख सकेगी और अपराधी उसकी चुप्पी का फायदा नहीं उठा पाएगा

पंचकूला, यूटर्न, 10 जनवरी। शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, पंचकूला में महिला सुरक्षा को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश कुमारी ने उपस्थित महिलाओं, छात्राओं और आमजन को महिला अपराधों की रोकथाम और पीड़िताओं को न्याय दिलाने में समाज की भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। इंस्पेक्टर राजेश कुमारी ने कहा कि यदि किसी बेटी या महिला के साथ कोई गलत घटना घटती है, तो सबसे पहले परिवार और समाज का यह दायित्व है कि पीड़िता से सवाल-जवाब करने के बजाय उसके साथ खड़े हों। जब पीड़िता को भावनात्मक और सामाजिक सहयोग मिलता है, तभी वह खुलकर अपनी बात रख पाती है और अपराधी उसकी चुप्पी का

फायदा नहीं उठा पाता। उन्होंने जोर देकर कहा कि पीड़िता को दोषी ठहराने की मानसिकता छोड़कर उसे हिम्मत देने का समय आ गया है।

उन्होंने ऐसे मामलों में आम नागरिकों से भी अपील की कि यदि किसी सार्वजनिक स्थान जैसे बस स्टैंड, बाजार या अन्य स्थानों पर महिला से संबंधित अपराध होता है और वे वहां मौजूद हैं, तो आगे आकर चश्मदीद गवाह बनें। इससे न केवल केस मजबूत होता है, बल्कि आरोपी को कठोर सजा दिलाने और पीड़िता को शीघ्र न्याय मिलने में भी मदद मिलती है। कई बार लोग इसे कानूनी झंझट समझकर पीछे हट जाते हैं, लेकिन हमें यह समझना चाहिए कि हर महिला किसी की मां, बहन या बेटी है और उसकी सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग को लेकर भी जागरूक किया गया। इंस्पेक्टर राजेश कुमारी ने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति से ऑनलाइन दोस्ती करने से बचें और सोशल मीडिया पर अपनी निजी दिनचर्या, तस्वीरें या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। आधुनिक समय में डीपफेक कंटेंट बनाकर ब्लैकमेल करने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, इसलिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अतिरिक्त सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

इस अवसर पर डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, महिला सुरक्षा केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जब परिवार, समाज और पुलिस एकजुट होकर पीड़िता के साथ खड़े होते हैं, तभी अपराधियों में कानून का डर पैदा होता है और महिलाओं को सुरक्षित वातावरण मिल पाता है। पंचकूला पुलिस हर महिला की सुरक्षा और सम्मान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों से महिला सुरक्षा के प्रति सजग रहने, अपराध के खिलाफ आवाज उठाने और जरूरत पड़ने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने की अपील की गई।

पंजाब में 22 आईपीएस अफसरों की ट्रांसफर, रुपिंदर सिंह एडिशनल सीपी लुधियाना नियुक्त, डॉ. ज्योति यादव एसएसपी बठिंडा

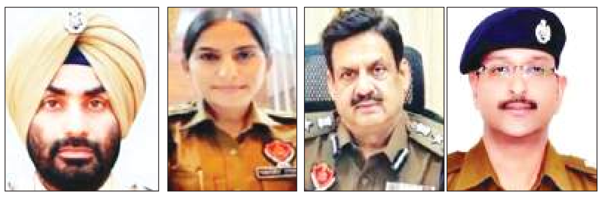

लुधियाना/यूटर्न/10 जनवरी। शनिवार को पंजाब सरकार की ओर से 22 आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। जिसके चलते आईपीएस रुपिंदर सिंह को एडिशनल पुलिस कमिश्नर लुधियाना नियुक्त किया गया है। वहीं डॉ. ज्योति यादव को एसएसपी बठिंडा नियुक्त किया गया है। इसके अलावा स्नेहदीप शर्मा को डीआईजी एजीटीएफ, संदीप गोयल को डीआईजी बॉर्डर रेंज अमृतसर, दरपन आहलुवालिया को एसएसपी खन्ना नियुक्त किया है। इसके अलावा बाकी अधिकारियों की भी अलग अलग जगह नियुक्ति की गई है।

पंजाब सरकार ने खजाने से बिल पास करने पर लगाई रोक - हरगोबिंद कौर

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/10 जनवरी। यहां प्रेस को एक बयान जारी करते हुए ऑल पंजाब आंगनवाड़ी वर्कर्स यूनियन की प्रेसिडेंट हरगोबिंद कौर ने कहा कि 2 जनवरी से आज तक पंजाब सरकार ने खजाने से बिल पास करने पर रोक लगा दी है, जिसके कारण पंजाब के सभी कर्मचारी और आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर मानदेय के लिए तरस रहे हैं। लोहड़ी का त्योहार है लेकिन सरकार ने अभी तक खजाने से बिल पास नहीं किए हैं। जो सरकार की नाकामी को दिखाता है, एक तरफ सरकार बड़ी गलतियां कर रही है और दूसरी तरफ कर्मचारियों को सैलरी देने में भी फेल रही है। पंजाब पर लाखों करोड़ों रुपये का कर्ज होने के बाद भी सरकार के खजाने में सैलरी देने के लिए पैसे नहीं हैं। हरगोबिंद कौर ने कहा कि सरकार को तुरंत खजाने से रोक हटानी चाहिए और कर्मचारियों की सैलरी देनी चाहिए ताकि उनके बच्चे लोहड़ी का त्योहार मना सकें। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार यह पक्का करे कि सभी कर्मचारियों को हर महीने समय पर सैलरी मिले।

Nayantara

लग्जरी कारों के शोरूम पर फायरिंग, 2 गैंगस्टरों के नाम लिख पर्ची फेंकी

लुधियाना/यूटर्न/10 जनवरी। मुल्लापुर नजदीक बद्दोवाल के इलाके में जिस रॉयल लीमोज शोरूम पर शनिवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इस दौरान कुछ गोलियां शोरूम के बाहर खड़ीं मर्सिडीज और रेंज रोवर जैसी लग्जरी कारों पर लगी। जिस कारण कारें भी क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि इस दौरान कोई जानी नुकसान होने से बचाव हो दया। गोलियां चलाने के बाद बदमाश शोरुम के बाहर गैंगस्टर पवन शौकीन और मोहब्बत रंधावा के नाम की पर्चियां फेंक कर गए है। घटना की सूचना मिलते ही मुल्लांपुर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में ये मामला रंगदारी का लग रहा है। बदमाशों का फायरिंग करते हुए वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बाइक से उतरकर एक बदमाश शोरूम और वहां खड़ी गाड़ियों पर गोलियां चलाता हुआ नजर आ रहा है। फायरिंग के बाद वह पैदल ही भागता दिखाई दिया। पुलिस का मानना है कि बदमाश का दूसरा साथी बाइक लिए खड़ा था। फायरिंग के बाद दोनों वहां से भाग गए।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए बदमाश

बाइक पर आए थे बदमाश

शोरूम के कर्मी सतनाम के मुताबिक, शनिवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे हम तीनों ऑफिस में मौजूद थे। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश वहां पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। दोनों ने शोरूम परिसर में खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाते हुए गोलियां बरसाईं। सात से आठ राउंड फायरिंग की गई, जो कई कारों में जाकर लगी। इसके बाद बदमाश वहां से भाग गए।

मुल्लांपुर की तरफ से आए थे बदमाश

शोरूम के कर्मचारियों सतनाम, निर्मल, गुरप्रीत ने बताया कि बाइक सवार दोनों बदमाश मुल्लांपुर की तरफ से आए थे और फायरिंग करने के बाद लुधियाना की तरफ भाग गए। एक बार फिर रांग साइड से आकर शोरूम के बाहर गोलियां चलाकर गांव देतवाल की तरफ भाग गए।

मूंगफली बेचने वाले के घर दीवार फांदकर घुसे 4 बदमाश, हथियार की नोक पर 50 हजार और 5 मोबाइल ले उड़े

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/10 जनवरी। शहर के लहंदी भैणी इलाके में बीती रात लुटेरों ने मूंगफली बेचकर गुजारा करने वाले एक प्रवासी मजदूर के घर को निशाना बनाया। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:30 बजे चार नकाबपोश बदमाश दीवार फांदकर घर में दाखिल हुए और तेजधार हथियारों के दम पर पूरे परिवार को बंधक बना लिया। लुटेरे घर से 50 हजार रुपए की नकदी और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। पीड़ित मोहम्मद शहरोज आलम अनुसार वह और उसके साथी सो रहे थे। तभी चार युवक दीवार कूदकर अंदर आए। उनके हाथों में तेजधार हथियार थे। बदमाशों ने आते ही मारपीट की। लुटेरे उनसे 50 हजार रुपए नकद, 5 मोबाइल फोन और जरूरी कागजातों वाला एक बैग ले गए।

शोर मचते ही जूते-कपड़े छोड़ भागे लुटेरे

पीड़ित ने बताया कि लूटपाट के दौरान जब बदमाश घर का सामान खंगालने में व्यस्त थे, तो उसने हिम्मत जुटाकर कमरे से बाहर दौड़ लगा दी और शोर मचाना शुरू कर दिया। हालांकि, रात ज्यादा होने के कारण कोई पड़ोसी तुरंत नहीं आया, लेकिन शोर सुनकर लुटेरे घबरा गए। हड़बड़ाहट में वे अपने जूते और कुछ कपड़े मौके पर ही छोड़कर भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही थाना सिटी के प्रभारी इंस्पेक्टर परमिंदर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

शहरवासियों से कूड़े की समस्या के हल के लिए मार्च कर सहयोग मांगें – प्रधान गिल

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/10 जनवरी। जगरांव में पैदा हुई कूड़े की समस्या से हर शहरवासी और जगरांव शहर में आने-जाने वाला हर व्यक्ति परेशान है। क्योंकि कूड़ा हर जगह पड़ा हुआ है। यह कूड़ा जहां शहर के नेताओं कोच चुनौती दे रहा है, वहीं प्रशासन से भी कई सवाल पूछ रहा है। कूड़े की समस्या का हल प्रशासन और नेताओं के हाथ में है। चूंकि प्रशासन और नेता कूड़े की समस्या का कोई पक्के हल नहीं ढूंढ पाए हैं, इसलिए सफाई कर्मचारियों ने फैसला किया कि अगले सोमवार को वे शहर में मार्च निकालेंगे और लोगों से सहयोग मांगेंगे। सफाई सेवक यूनियन के जिला अध्यक्ष अरुण गिल ने कहा कि वे सफाई कर्मचारियों है और सबसे पहले शहर के निवासी हैं। कूड़े की समस्या के कारण उनका परिवार भी परेशानी से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि जगरांव शहर में कूड़े की समस्या से छुटकारा पाने के लिए लोगों का सहयोग बहुत जरूरी है, इसलिए वह लोगों का समर्थन मांगने के लिए शहर में मार्च निकालेंगे और लोगों से अपील करेंगे कि वे इस संघर्ष में उनका साथ दें ताकि भविष्य में जगरांव के लोगों को कूड़े की समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा मिल सके। शहर के निवासियों के सहयोग के बिना कूड़े की समस्या का समाधान करना नामुमकिन है।

शिअद लीडरों ने दिल्ली की पूर्व सीएम खिलाफ किया रोष प्रदर्शन

लुधियाना/यूटर्न/10 जनवरी। शिरोमणि अकाली दल बादल लुधियाना की ओर से दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा गुरु साहिबानों के प्रति किए गए कथित अपमान के विरोध में भारत नगर में एक विशाल रोष धरना दिया गया। इस दौरान आतिशी मालेर्ना का पुतला फूंककर कार्रवाई की मांग को लेकर डीसी लुधियाना को एक ज्ञापन भी सौंपा। इस मौके पर लुधियाना शहरी की पूरी संगठनात्मक टीम के अलावा आसपास के हलकों साहनेवाल, खन्ना, समराला, जगराओं, दाखा, गिल, रायकोट, पायल आदि से भी नेताओं ने अपने समर्थकों सहित बड़ी संख्या में भाग लेकर इस रोष धरने को विशाल रैली का रूप दिया। जिला प्रधान भूपिंदर सिंह भिंदा की अगुवाई में आयोजित इस विशाल रोष धरने के दौरान विभिन्न नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि दिल्ली की आप नेता आतिशी द्वारा दिया बयान सिख भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है, जिसे सिख कौम कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगी। वहीं शिअद लीडर आरडी शर्मा ने कहा कि नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने धर्म की रक्षा के लिए दिल्ली में शहादत दी थी। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता द्वारा गुरु साहिब के प्रति अत्यंत अपमानजनक शब्दावली का प्रयोग करना जहां दुर्भाग्यपूर्ण है, वहीं यह आम आदमी पार्टी की सोच को भी दर्शाता है। इस मौके पर प्रधान भूपिंदर सिंह भिंदा के अलावा वरिष्ठ अकाली नेता रणजीत सिंह ढिल्लों, शरणजीत सिंह ढिल्लों, हरीश राय ढांडा, एस.आर. कलेर, प्रीतपाल सिंह पाली, परमजीत सिंह ढिल्लों, चंद सिंह डल्ला, बलविंदर सिंह संधू, मनजीत सिंह मदनीपुर, यादविंदर सिंह यादव, सिमरनजीत सिंह ढिल्लों, हितेश इंदर सिंह ग्रेवाल, रघवीर सिंह सहानमाजरा, गुरचरण सिंह ग्रेवाल, जगबीर सिंह सोखी, जसपाल सिंह ग्यासपुरा, आर.डी. शर्मा, हितेश ग्रेवाल, जसकरण सिंह दियोल, डॉ. अश्वनी पाशी, हरपाल सिंह कोहली, कमल अरोड़ा, बलविंदर सिंह बाजड़ा (एमडी), रखविंदर सिंह गाबड़िया आदि बड़ी संख्या में नेता उपस्थित थे।

नौवें पातशाह का अपमान करने पर आप की आतिशी खिलाफ शिअद का जोरदार प्रदर्शन

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/10 जनवरी। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना द्वारा दिल्ली विधानसभा में नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के प्रति बोले गए अपमानजनक शब्दों के खिलाफ शिरोमणि अकाली दल की ओर से जिला देहाती प्रधान जगसीर सिंह जग्गा कल्याण और शहरी जिला प्रधान सुशील गोल्डी के नेतृत्व में आज जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान शिअद जिला देहाती प्रधान जगसीर सिंह जग्गा कल्याण और शहरी प्रधान सुशील गोल्डी ने आप की दिल्ली और पंजाब सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आतिशी मारलेना द्वारा गुरु साहिब संबंधी विधानसभा में इस्तेमाल किए शब्द न केवल सिख कौम बल्कि पूरी मानवता का अपमान हैं, जिसे शिरोमणि अकाली दल कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगा। शिरोमणि अकाली दल हलका बठिंडा शहरी के इंचार्ज इकबाल सिंह बबली ढिल्लों और हलका तलवंडी साबो के इंचार्ज रविप्रीत सिंह सिद्धू ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी लगातार गुरु की गोलक और सिख रहित मयार्दा जैसे अति संवेदनशील मुद्दों पर बेलगाम टिप्पणियां कर रहे हैं। धरने के दौरान तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर शिअद नेताओं से मांग पत्र प्राप्त किया। इस अवसर पर अन्य के अलावा गुरचरण सिंह (सेवानिवृत्त ओएसडी), वरिष्ठ नेता मोहित गुप्ता, डॉक्टर दलजीत सिंह भुच्चो, गुरलाल सिंह ढेलवां (सर्कल प्रधान), स्वर्ण सिंह आकलिया, अमरजीत सिंह जंडांवाला, एडवोकेट सतिंदर सिंह, संदीप सिंह बाठ, बलविंदर कौर, सुखचैन बराड़, जिला परिषद सदस्य इकबाल सिंह, जिला परिषद सदस्य स्वर्ण सिंह पूहली, राजा सिंह (जिला परिषद सदस्य), जगदीप सिंह गहरी, निर्मल सिंह संधू, राजविंदर सिंह सिद्धू, मोहनजीत सिंह पुरी, चमकौर सिंह मान, निर्मल कोटशमीर, इकबालजीत सिंह पूहली, नरदेव सिंह पूहली, हरदयाल सिंह और शिव नंदन गर्ग उपस्थित थे।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।

Contact - +91 9814295372